









शृंगारमेष्टुष्टिर्वता शुद्धीं स्त्रियोर्ज्ञा उवक्त्तुश्चन्द्रिमविषा लक्ष्मानसिंहश्चाशुद्धा॥ त्रुट्टि  
 ग्निहस्त्रिया वर्षयस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया  
 वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया  
 वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया  
 वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया  
 वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया वस्त्रिया